माता की भेटें

- लग चरणी ते अड के पल्ला 2
- आ लग जा माई दे लड़ लग जा 3
- नाम बड़ा सुखदाई 4
- मिश्री से भी मीठा 5
- सिर तान के दुपॅटा 6
- बूहे ते संगतां 7
- अम्बें तूं है जगदम्बे 8
- वज्जे छैने ते छैना 9
- ऐइयो दवारा मइया दा 10
- रम गई मां मेरे रोम रोम में 11
- बिगड़ी बनाने वाली 12
- नित महिमा मैं गाऊं मईया तेरी 13
- कर शेर सवारी आओ मां 14
- शेर दी कर के सवारी मां तूं आजा इक वारी 15
- आजा आजा आजा मां पवन रूप में आजा 16
- मेरी दाती सबते मेहर करे 17
- लाल चोला लै चुन्नी सिर सुए रंग दी 18
- तेरे दरवाजे मल्ले नी मां शेरां वाली 19
- जिनां रखियां तेरे ते माई डोरां 20
- है जग से बे मिसाल सखी 21
- मैया है मेरी शेरों वाली 22
- सच्ची है तूं सच्चा तेरा दरबार 23
- दया की मूरत 24
- भर लो झोलियां 25
- मेरी झोली छोटी पड़ गई रे 26
- अमृत की बरसे बदरिया 27
- ॐ जय जगदीश हरे 28

<u>लग चरणी ते अड के पल्ला</u>

लग चरणी ते अड के पल्ला
मईया तों मुराद मंग लै
मुराद मंग लै
मुराद मंग लै

हर वेले रहें तूं नसीबां नूं ही कोसदा
दिनें राती मूर्खा तूं सोचा पया सोचदा
ओदे प्यार विच हो के झल्ला
मईया तों मुराद मंग लै

मंग लै सहारा तूं सहारा देन वाली तों
मोयां नूं जिंदगी दुबारा देन वाली तों
कदे रहण न देवेगी तैनूं कल्ला
मईया तों मुराद मंग लै

सच्चे दिल दी न फ़रियाद कदे टलदी
मन्न इक गल्ल निर्दोष कमल दी
ओदे चरणां च मार के हल्ला
मईया तों मुराद मंग लै ॥

आ लग जा माई दे लड़ लग जा

आ लग जा माई दे लड़ लग जा
जगत विच की रख्खया
जा टुर जा माई दे दर टुर जा
जगत विच की रख्खया

इस दुनियां ते आस न रख्खीं , न सहारा जग दा तक़्कीं
दुनिया ठगदी अज्जी भज्जी , इसदी हर इक नजर है शक़्की
पल पल लुटदी दोंवे हत्थीं , झल्लयां वांग जहर न फ़क़्कीं

क्ष्रदॉ नाल मां दे दर ते जावीं , मां दे चरणी सीस झुकावीं
धुफ़ धुखावीं आरती गावीं , सच्चे मन नल मां नूं मनावीं
इस दुनियां नूं तूं भुल्ल जावीं , फ़िर तूं मां दा भगत कहावीं

भगत जे मां दा हों के रहेंगा , पाप सारे बन्देया धो के रहेंगा
सच दे मोती चुन के बहेंगा , विच्च दरबार खलों के कहेंगा
धन्न धन्न है मां गा के कहेंगा , उठदे बैंद सोंदे कहेंगा ॥

नाम बड़ा सुखदाई

नाम बड़ा सुखदाई
मईया जी दा नाम बड़ा

नाम बड़ा मां दा नाम बड़ा

ऐदे नाम दी महिमां भारी, श्रद्धा नाल जपे इक वारी
कट जाये यम दी फ़ाई, मईया जी दा नाम बड़ा

बिगड़े कारज सब बन जांदे, दुख कदे न नेड़े आंदे
जिन्हां नाम दी जोत जगाई, मईया जी दा नाम बड़ा

नाम दी महिमां नाम ही जानें, ऐ गल सच्ची कहण सयानें
हुंदा आप सहाई, मईया जी दा नाम बड़ा

भक्तां जे तूं मुक्ती पानीं, श्रद्धा दे नाल सिमर भवानीं
गल मन नूं समझाई, मईया जी दा नाम बड़ा ॥

मिश्री से भी मीठा

मिश्री से भी मीठा नाम तेरा
तेरा जी मईया ऊंचे पहाड़ों पर डेरा
डेरा जी , तेराा मंदिर सुनहरा शेरां वालिए

तेरे दर से मां अमृत की धारा , है झर झर बरस रही
तेराा दर्शण पाने को मईया , है दुनियां तरस रही
मैनें लिख दी अर्जी
मैनें भी   लिख दी माता अर्जी
अर्जी जी मईया आगे जो तेरी मर्जी
अर्जी पे मेरी गौर तो करो मां शेरां वालिए

सदा आती पहाड़ों से तेरे , मईया जी हवा सुखों से भरी
बांटे खुशियां तूं भक्तों को अपने , मां तुझसा दयालु न कोई
तूने है बनाई , तूने बनाई सारी सृष्टी
सृष्टी जी , माता चाहूं मै बस दया की दृष्टी
दृष्टी जी , करो मुझपे मेहरों की मेहरां वालिए

तेरी जोत मां न्यारी न्यारी , है जगमग सदियों से
सारी दुनियां मे तेरी चंचा , मैं देख रहा अखियों से
कोमल हैं बालक , कोमल हैं बालक माता तेरे
तेराा जी , मैनें डाल दिया तेरे डर डेरा
डेरा जी   , मईया जाऊंगी न खाली शेरां वालिए ।।

सिर तान के दुपॅटा

सिर तान के दुपॅटा सूहे रंग दा ,   मां देवा मेरे ऐब ढक लै
तेरा लाडला माए नी ऐहो मंगदा   , मां देवा मेरे ऐब ढक लै

अपने गुनाहां दी मैं फ़ोलां गठरी   , होर दस किन्नी वारी खोलां गठरी
मैनूं शर्मिंदगी है मारी जा रही ,   तेरे वालों चुप कानूं धारी जा रही
पाला अपने अमालां दा है डंगदा , मां देवा मेरे ऐब ढक लै

बख्श दे भवानी , जिंदगी दी होर भारी करीं पन्ड न
ढकियां ही रहन दे मां, पाके पर्दां, लब्बनां कि भकतां तों , लाके पर्दां
जीवन बख्श दे मां निराला नवें ढंग दा , मां देवा मेरे ऐब ढक लै

भुल्लां दियां भुल्लां मईया तूं ते तारियां, मेरियां ही आसां कानूं हारियां
दयावान देवा क़्यूं कठोर हो गई,   मेरी वारी होर दी क़्यूं होर हो गई
साह कल्ला कल्ला मां सूली उते टंगदा, मां देवा मेरे ऐब ढक लै

वास्ते ने पाए ते लकीरां कडियां,   झोलियां फ़कीरां दियां रहियां अडियां
तेरा निर्दोश प्यार बड़ा बरसदा,   पापी ए पपीहा क़्यूं प्यासा तरसदा
दिल ममता दा केड़ी गल्लों संगदा, मां देवा मेरे ऐब ढक लै   ॥

बूहे ते संगतां

बूहे ते संगतां आ गईयां माए नी दूरों चल के
फ़ेर न कह दईं गल सुनांगी, अज नहीं मैं भलके

अजकल अजकल करदे करदे, बीते ने किन्ने सारे साल दातिये
मननी ते की सी गल वी सुनी नां, पुछया न कदे साडा हाल दातिए
अख्खां चों मजबूरीयां वाला, नीर बड़ा ही छलके छलके

तेरा की जांदा साडे दिलां तों मुश्किल जे आई होई टल जावे
साडे कंमां दा खोटा पैसा, मेहर तेरी दे नल टल जावे
बच्चयां उत्तों भार हटा के, करदे तूं छेती हल्के हल्के मांए

मन्नयां कि रज्जी होई होन दे कारण, चिंता तूं साडी नइयों हर सकदी
अठां भुजावां वालयां हथ्थां चों, कोई ते हथ्थ खाली कर सकदी
निर्दोषां दी रात न हो जाए, विच्च सोचां दे बल्ल बल्ल के ॥

अम्बें तूं है जगदम्बे

अम्बें तूं है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गाएं भारती
हो मईया हम सब उतारें तेरी आरती

तेरे जगत के भक्त जनन पर भीड़ पड़ी है भारी मां
दाानव दल पर टूट पड़ो मां करके सिंह सवारी
सौ सौ सिंहों से तू बलशाली
अष्ट भुजाओं वाली
दुष्टों को पल मे सहांरती
हो मईया हम सब उतारें तेरी आरती

मां बेटे का है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता
पूत कपूत सुनें हैं पर न माता सुनी कुमाता
सब पे करुणा दर्शाने वाली
अमृत बरसाने वाली
दुखियों के दुखड़े निवारती
हो मईया हम सब उतारें तेरी आरती

नहीं मांगते धन और दौलत न चांदी न सोना मां
हम तो मांगे मां तेरे मन में इक छोटा सा कोना
सब की बिगड़ी बनाने वाली
लाज बचाने वाली
सतियों के सत को सवांरती
हो मईया हम सब उतारें तेरी आरती   ॥

<u>वज्जे छैने ते छैना</u>

वज्जे छैने ते छैना
वज्जे ठां करके
तेरे भक्त प्यारे आए, तेरे मां दवारे
तेरे गुजंन पये जयकारे
मईया ठां करके

दिन भागां वाला आया, है जगराता करवाया
मैं चिठियां तारां पाके, संगतां नू आप बुलाया
सारे देन वधाइयां, मां ने रौनकां लाईयां
वज्जे ताली ते ताली
भई वज्जे ठां करके

कोई ढोलक नाल वजावे, कोई मां दियां भेंटा गावे
तेरी जोत नूं देख के मईया, मेरा मन मौज मनावे
माई दे के दिदार साडी सुन जा पुकार
वज्जे ढोलक ते ढोलक भई वज्जे
वज्जे ठां करके

सबनां नू देके सहारे, जेड़ आवन तेरे दवारे
सुनियां भक्तां दे मईया तुसी आप ही काज संवारे
माए बनके खवैया साडी पार कर नैया
वज्जे वाजे ते वाजा भई वज्जे
वज्जे ठां करके ॥

<u>ऐइयो दवारा मइया दा</u>

ऐइयो दवारा मइया दा
सच्चा दवारा मइया दा

उच्चे पर्वत कठिन चढ़ाई गुफा दा अजब नजारा
पिंडी रूप दा दर्षण जिथ्थे लाल मन्दर है प्यारा

आन यात्रु जान यात्रु जय जयकार बुलांदे
सीस झुकाके हथ जोड़ के मइया तों वर पांदे

निकियां निकियां कंजकां देखो खेडन मां दे दवारे
मोर पपीहे राग अलापन वजदे रहन नगाड़े

गुफा दे अंदर चरण गंगा है जग दी तारण हारी
गेढ़ चुरासी कट देंदी है मइया अद कुंवारी

बोल इक जयकारा निंबल जीवन सफल बना लै
जय माता दी जय माता दी स्वास स्वास तूं गा लै ॥

<u>रम गई मां मेरे रोम रोम में</u>

रम गई मां मेरे रोम रोम में
मेरी सांसों में अम्बे के नाम की माला बहती
इसी लिए तो जिहवा मेरी हर समय यह कहती

जहां भी जाऊं जिधर भी देखूं
अष्ट भुजी मां दिखे
यह रंग ऐसा जिसके आगे और सभी रंग फ़ीके
आंधी आई तूफां आया पर न भरोसा डोला
नाम दिवाना भाव से ध्यानूं यही झूम के बोला

दुख सुख भगतों इस जीवन में
एक बार लागे मन में मां की जगी है ज्योती
इधर उधर कयों भागे
सपनें में जब वैष्णों मां ने अर्ध का रुप दिखाया
मस्ती में ही बावर हो कर स्रीधर ने फरमाया

मन चाहे अब मां के दर में सेवक बन जाऊं
मां के भग्तों की सेवा में सारी उमर बिताऊं
चण्ड मुंड की चिंता हरणी नयन बील समाई
मस्ताना हो भाई दास ने येही रट लगाई

मेरी सांसों में अम्बे के नाम की माला बहती
इसी लिए तो जिव्हा मेरी हर समय ये कहती
रम गई मां मेरे रोम रोम में ॥

बिगड़ी बनाने वाली

बिगड़ी बनाने वाली कष्ट मिटाने वाली
दुनियां में जगदंबे मां
अपना बनाने वाली भाग जगाने वाली
बस एक जगदंबे मां
शेरांवाली का आज जगराता है

दूर कयों रहता है मां की शरण आजा
मां के दर पे है बराबर रंक हो या राजा
बड़ा हो या छोटा खरा कोई खोटा
मईया के दर से वो नहीं खाली लौटा
जो भी श्ऱध्दा से शीश झुकाता है

मुगल सैना लेकर राजा अकबर आया
मां की पावन ज्योती वो बुझा न पाया
मान टूटा अकबर का सवाली बन गया दर का
चूम कर चौखट सेवक बना मेरी मां के दर का
छत्र सोने का अकबर चढ़ाता है

ऐ भगतों दुनियां में मां की कया शान है
हो निर्धन या धन वाला मिले सबको मान है
जिसने भी ध्यान लगाया मुंह मांगा उसने पाया
मैने किस्मत का ताला मां के दर से खुलवाया
तभी तो ये सेवक मां के गुण गाता है ॥

नित महिमा मैं गाऊं मईया तेरी

नित महिमा मैं गाऊं मईया तेरी
मुझे न कुछ और चाहिए
सदा जोत जगाऊं मईया तेरी
मुझे न कुछ और चाहिए

तेरा नाम ही तो मेरा मां सहारा है
सिवा तेरे मईया कौन हमारा है
तेरे दवार की मिले दरबानी
मुझे न कुछ और चाहिए

तेरे दवार पे ही शाम और सवेरा हो
तेरे चरणों में मां मेरा डेरा हो
येही वर मागूं तुम से वरदानी
मुझे न कुछ और चाहिए

बस प्यार मिले सबको तुम्हारा मां
छूटे भगतों से न तेरा दवारा मां
तेरे चरणों में बीते जिन्दगानी
मुझे न कुछ और चाहिए ॥

कर शेर सवारी आओ मां

कर शेर सवारी आओ मां
भगतों को दर्श दिखाओ मां
होठों पे फरियाद लिये हैं
कब से खड़े सवाली
मेहर करो मां
अब तो भर दो झोली खाली

ऊंचे परबत टेढ़े रस्ते
चढ़ के कठिन चढ़ाई
फूले पांव के छाले
आके दवार तेरे महामाई
मुखड़े लाल गुलाब
हो चढ़ गई तेरे नाम की लाली
मेहर करो मां
अब तो भर दो झोली खाली

कोई तो माफी मांग रहा
कोई मन्नत मांगने आया
भेज के चिठ्ठियां सबको
मां तुमने दरबार बुलाया
सबकी किस्मत की चाबी
तेरे हाथों में शेरोंवाली
मेहर करो मां
अब तो भर दो झोली खाली

मतलब की इस दुनियां में
स्वार्थ का डंका बाजे

बेबस लाचारों की खातिर
खुले तेरे दरवाज़े
काटो इन भगतों की मईया
अब तो तुम कंगाली
मेहर करो मां
अब तो भर दो झोली खाली ॥

शेर दी कर के सवारी मां तूं आजा इक वारी

शेर दी कर के सवारी
मां तूं आजा इक वारी
उडीकां लगियां भारी
हो डुबदे बेड़ तार दे अम्बे रानिए
दास वाजां मारदे अम्बे रानिए

लम्बे पैडें राह चुरेड़
चढ़ के परबत टेढ़ मेढ़
सहन्दे आए ठोकरां ठेडे
झड झूठा जग आए
तेरे दर डेरे लाए
जरा न मां घबराए
आ बिगड़ी संवार दे अम्बे रानिए
दास वाजां मारदे अम्बे रानिए

तूं दाती मेहरां बरसावें
अपने भगत दी लाज बचावें
मुश्किल पल विच देर न लावें
लाल तेरे कुरलांदे
तेरे मा तरले पांदे
दीद लई बुलांदे
मंगदे तेरे दवार दे अम्बे रानिए
दास वाजां मारदे अम्बे रानिए

बिनती करदे औगण हारे
चरणा दे विच मंगदे सहारे
ए ते ने तकदीर दे मारे

खड़े हां आस लगाए

तेरी मां जोत जगाए

न कुछ वी मंगदे मांए

भगतां नूं दिदार दे अम्बे रानिए

दास वाजां मारदे अम्बे रानिए ॥

<u>आजा आजा आजा मां पवन रूप में आजा</u>

आजा आजा आजा मां पवन रूप में आजा
जागरण की रात है मईया अब तो झलक दिखाजा
आजा आजा आजा मां पवन रूप में आजा
आजा आजा आजा मा शेर पे चढ़ कर आजा

मां आध कवांरी आजा
जग पालन हारी आजा
अखियां हैं प्यासी आजा
तेरे बिन उदासी आजा

तेरे भग्तों नें तेरी राह में पलकें आज बिछा दी हैं
भक़्ती भाव से अंगना भीतर कलियां मां बिखरा दी हैं
उन कलियों पे पदपकंज की ज़रा सी धूल लगाजा

मां पिंडी रूपा आजा
मां पवन स्वरूपा आजा
कहां देर लगाई आजा
दुर्गा महा माई आजा

मां अपनी निर्दोष दया की यहां भी गंगा बहने दो
साक्षात तेरे रूप को मईया मन की बातें कहने दो
कैसे भव जल पार करें हमें विधी कोई बतलाजा

ऐ वैषणों मैया आजा
नईया की खवैया आजा
है गुफा वासिनी आजा

है पाप नाशिनी आजा ॥

मेरी दाती सबते मेहर करे

मेरी दाती सबते मेहर करे
मेहरां वाली सबते मेहर करे
मैं एहो दुआवां मंगदी रवां
लगे धुप न किसे नूं दुखां वाली
रहमत दियां छावां मंगदी रवां
मैं एहो दुआवां मंगदी रवां

मां सबदे भंडारे भरदी रहे
मंगन दी किसे नूं न भुख होवे
खुशियां विच रहन सदा सारे
हर पासे सुख ही सुख होवे
कदे दिन न मुकन ऐ सुखां वाले
मैं सुख दियां सावां मंगदी रवां
मैं एहो दुआवां मंगदी रवां

हर घर विच मां दी जोत जगे
हर दिल विच मां दा नाम होवे
दाती दा प्यार मिले सब नूं
ममता दी सिर ते छां होवे
जो देंदियां मांवां पुत्रां नूं
ओ ठंडियां हवावां मंगदी रवां
मैं एहो दुआवां मंगदी रवा ॥

लाल चोला लै चुन्नी सिर सुए रंग दी

लाल चोला लै चुन्नी सिर सुए रंग दी
करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी

अगे अगे बजरंगी पिछे भैरों लाल है
कंजकां दी टोली भोली मईया जी दे नाल है
अज बच्चियां दी खैर मंगदी
करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी

दिल दरिया दोंवें हथ भरे मेहर दे
नूर भरे नैन मां दे ममता खलेरदे
किनी प्यारी लगदी ए छन छन वंगदी
करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी

चरणा दी धूल सारे कट देंदी पाप ए
चुम लवो पैर मां दे आई अज आप ए
ऐसी मुड़ के नहीं आनी घड़ी सतसंग दी
करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी

दयावान दाती होई सबते दयाल ए
मस्ती च लाल देखो नचदे कमाल ए
मां बच्चियां नूं अपने ही रंग रंगदी
करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी

मंगते ने सारे सारे मां कोलों मंगदे
न दाती थकदी न लैन वाले संगदे
तूं क्यों संगना एं जद दाती नहियों संगदी

करके शेर दी सवारी मेरी माई लंगदी ॥

तेरे दरवाजे मल्ले नी मां शेरां वाली

ओ तेरे दरवाजे मल्ले नी मां शेरां वाली
तूं अपने सुनेरे घल्ले नी मां मेहरां वाली

सदरां अधूरियां प्यासे अरमान ने
यादां वाले दिल विच उठ दे तुफान ने
ओ हुण जांदे नहियों ढले नी मां शेरां वाली

मिठी मिठी रुत देख दिल ललचा गया
दर्शनां दी आस लै के दर तेरे आ गया
जै बोलां गल्ले गल्ले नी मां शेरां वाली ॥

जिनां रखियां तेरे ते माई डोरां

जिनां रखियां तेरे ते माई डोरां ओ ते कदे डोलदे नहीं
डोलदे नहीं ओ मुओं बोलदे नहीं

जेड़े जेड़े घर विच जोत तेरी जगदी
ओना नूं मुसीबतां दी हवा वी न लगदी
जिनूं रैण सदा तेरियां ही लोड़ां ओ ते कदे डोलदे नहीं

कण कण विच तेरी महक समाई ए
ममता दी छां हेठां दुनियां वसाई ए
हो जिनां चुम लईयां रावां दियां रोड़ां ओ ते कदे डोलदे नहीं

तेरे जई मां होवे मेरे जया लाल मां
एस कोलों वद होर केड़ा है कमाल मां
करें जिनां दियां दूर आन थोड़ां ओ ते कदे डोलदे नहीं

लूं लूं अंग अंग तेरा करजाई ए
मंगदी नहीं लेखा ए तां तेरी वडियाई ए
भांवें आण मुसीबतां करोड़ां ओ ते कदे डोलदे नहीं ॥

<u>है जग से बे मिसाल सखी</u>

है जग से बे मिसाल सखी
मां शेरां वाली कमाल सखी
तुझे क़्या बतलाऊं
मां है कितनी दीनदयाल
सखी री तुझे क़्या बतलाऊं मैं ॥

मैया है मेरी शेरों वाली

मैया है मेरी शेरों वाली
शान है मां की बड़ी निराली
सच्चा है मां का दरबार
मैय्या का जवाब नहीं

ऊंचे परबत भवन निराला
भवन में देखो सिंह विशाला
सिंह पे हैं मैय्या जी सवार
मैय्या का जवाब नहीं

हाथों में कंगन खन खन खनकें
माथे की बिंदिया चम चम चमके
लाल गले में हार
मैय्या का जवाब नहीं

मेरी मां है दुर्गा
मां है काली
भक्तों की झोली भरने वाली
करती बेड़ा पार
मैय्या का जवाब नहीं

नंगे पैरों अकबर आया
नाल सोने का छत्र चढ़ाया
दूर किया अहंकार
मैय्या का जवाब नहीं ॥

सच्ची है तूं सच्चा तेरा दरबार

सच्ची है तूं सच्चा तेरा दरबार माता रानिए
करदे दया की इक नज़र इक बार माता रानिए

क़्या गम है कैसी उलझन
जब सिर पे तेरा हाथ है
हर दुख में हर संकट में
माता तूं हमारे साथ है
तूं प्यारी मां और जग तेरा परिवार माता रानिए

इक दो नहीं लाखों यहां आए बनाकर टोलियां
अपनी ज़ुबां खोले बिना भरकर गए हैं झोलियां
हर सुख मिलता है करके तेरा दीदार माता रानिए

तेरी दया की बूंद भी ममता का इक सागर बने
पत्थर कई हीरे हैं मां दर को तेरे छू कर बने
जन जन पे है तेरा बड़ा उपकार माता रानिए

तूं प्रेम की ज्योती जला हर दिल से नफरत को मिटा
रूठे हुए बिछड़े हुए भाई से भाई को मिला
युग युग तेरी पूजा करे संसार माता रानिए ॥

दया की मूरत

दया की मूरत ऊंचे ऊंचे सुदंर भवनों वाली मां अब कृपा कर दे
सागर से भी कई गुणा तू गहरे है दिलवाली मां अब कृपा कर दे

सारे दवारे छोड़ के हमने झोली यहां पसारी है
हमे भी तारो जैसे तुमने इतनी दुनियां तारी है
कितना अरसा खड़े रहेंगे लेकर झोली खाली मां अब कृपा कर दे

तीन लोक में तेरे जैसा और मां दानी कोई नहीं
जो बच्चों पर वारे सब कुछ वो बलिदानी कोई नहीं
तेरे सिवा हम दीनों की अब कैन करे रखवाली मां अब कृपा कर दे

दुख दरिद् हरने वाली तूं संजीवनी बूटी मां
एक तुम्हारी ममता सच्ची बाकी हर शय झूठी मां
जनमों के बेहाल सवाली मांग रहे खुशहाली मां अब कृपा कर दे ॥

भर लो झोलियां

भर लो झोलियां भर लो झोलियां
मां भण्डारे बैठी खोल के भर लो झोलियां
सारे जय माता की बोल के भर लो झोलियां
दाती हो गई दयाल है भर लो झोलियां
मां को सबका ख्याल है भर लो झोलियां

मोती सुखों में बांटती
हीरे कंकरों में छांटती
मां औलाद भी देती है
जयदाद भी देती है

सच्चे दरबार आके
शीश चरणों में झुकाके
ओ बिनती भावना से करके
ओ गंगा नाम वाली तर के

यहां जिसने अलख जगाई
उसने हर इक नयमत पाई
मैया उसकी बनी सहाई
मां अन्न धन देने वाली है
मां भक़्तों की रखवाली है

जो जन आ कर इसके दवारे
सच्चे मन से इसे पुकारे
उसके होते वारे न्यारे
कहते हैं अबंर और जमीन
मेरी मां के जैसा कोई नहीं ॥

मेरी झोली छोटी पड़ गई रे

मेरी झोली छोटी पड़ गई रे इतना दिया मेरी माता
मेरी बिगड़ी मां ने बनाई सोई तकदीर जगाई
ये बात न सुनी सुनाई
मैं खुद भी जी बतलाता, मुझे इतना दिया मेरी माता

मान मिला सम्मान मिला गुणवान मुझे संतान मिली
धन धान मिला नित ध्यान मिला
मां से ही मुझे पहचान मिली
घरबार दिया मुझे मां ने
बेशुमार दिया मुझे मां ने
जब जब मैं मांगने जाता, मुझे इतना दिया मेरी माता

मेरा रोग कटा मेरा कष्ट मिटा हर संकट मां ने दूर किया
भूल से कभी जो गरूर किया मेरे अभिमान को चूर किया
मेरे अंग संग हुई सहाई भटके को राह दिखाई
क़्या लीला मां ने रचाई
मैं कुछ भी समझ नहीं पाता, मुझे इतना दिया मेरी माता

उपकार करे भव तार करे सपने सब के साकार करे
न देर करे मां मेर करे भक़्तों के सदा भंडार भरे
महिमां है निराली मां की दुनिया है सवाली मां की
जो लगन लगाले मां की
मुश्किल में नहीं घबराता, मुझे इतना दिया मेरी माता

कर कोई जतन ऐ चचंल मन तूं हो के मगन चल मां के भवन
पा जाएं नयन पावन दर्शन हो जाए सफ़ल फ़िर ये जीवन
तूं थाम ले मां का दामन न चिंता रहे न उलझन

दिन रात करण कर सिमरण

क़्या कर माता कहलाता, मुझे इतना दिया मेरी माता ॥

अमृत की बरसे बदरिया

अमृत की बरसे बदरिया
मेरी मां की दवरिया

दादुर मोर पपीहा बोले
कूके काली कोयलिया
मेरी मां की दवरिया

शीश मुकुट कानों में कुण्डल
अमृत की बरसे बदरिया
मेरी मां की दवरिया

बृम्हा, विष्णु , शंकर नाचे
मोहन बजाए बसुंरिया
मेरी मां की दवरिया ॥

ॐ जय जगदीश हरे

ओम जय जगदीश हरे स्वामी जय जगदीश हरे
भक्त जनों के सकंट, दास जनों के सकंट
क्षण में दूर करे
ओम जय जगदीश हरे

जो ध्यावे फल पावे दुख विनशे मन का
स्वामी दुख विनशे मन का
सुख सम्पती घर आवे, कष्ट मिटे तन का
ओम जय जगदीश हरे

मात पिता तुम मेरे शरण गहुं मैं किसकी
स्वामी शरण गहुं मैं किसकी
तुम बिन और न दूजा, आस करूं मैं किसकी
ओम जय जगदीश हरे

तुम पूरण परमात्मा तुम अतंरयामी
स्वामी तुम अतंरयामी
परम ब्रम्ह परमेश्वर, तुम सबके स्वामी
ओम जय जगदीश हरे

तुम करुणा के सागर तुम पालन करता
स्वामी तुम पालन करता
दीन दयालु कृपालु , कृपा करो भरता
ओम जय जगदीश हरे

तुम हो एक अगोचर सबके प्राण पती
स्वामी सबके प्राण पती
किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमती
ओम जय जगदीश हरे

दीन बंधु दुख हरता तुम रक्षक मेरे
स्वामी तुम रक्षक मेरे
करुणा हस्त बढ़ाओ, शरण पडूं मैं तेरे
ओम जय जगदीश हरे

विषय विकार मिटावो पाप हरो देवा
स्वामी पाप हरो देवा
श्र्ध्दा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा
ओम जय जगदीश हरे ॥